

दीक्षा पाठ्यचर्या – सप्तम दिवस

दिनांक 11-10-2023 दिन बुधवार को दीक्षा पाठ्यचर्या के सप्तम दिन नव प्रवेशित बी ए एम एस वागभट सत्र (23-24) के विद्यार्थियों को "A Garlic-Health superstar" विषय पर संबोधित करने दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्रोफेसर डी के सिंह पधारे। प्रोफेसर डी. के. सिंह ने विद्यार्थियों को लहसुन को अपने रोज के भोजन में शामिल करने को कहा कि इसके बहुत अदभुत लाभ है, लहसुन आपके रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाता है, हृदय रोग से बचाव करता है, साथ ही खून के बहाव को नियंत्रित करता है। लहसुन की विश्व में 300 प्रकार की प्रजाति उपलब्ध है, प्राचीन आयुर्वेद संहिता चरक में बताया है कि ये हृदय को बल देता है। चायना में वैज्ञानिकों का मानना है कि 10 ग्राम लहसुन 50 दिनों तक रोज खाने से 50 साल तक व्याधि मुक्त रहेंगे। मिस्र देश में विश्व की पहली हड़ताल लहसुन के कारण हुई क्योंकि पिरामिड बनाने वाले मजदूरों को लहसुन से ऊर्जा मिलती थी पर लहसुन की कमी से मजदूरों को लहसुन खाने में देना बंद कर दिया गया था। लहसुन काटने पर Allicin नामक तत्व निकलता है जो शरीर का कायाकल्प होता है। लहसुन खाने वालों को मछरों से होने वाले रोग नहीं होते हैं। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में अतिथि वक्ता के रूप में सेवानिवृत्त प्रवक्ता एवं उपाचार्य अध्यक्ष डॉ शरद मणि त्रिपाठी बुद्धा पी जी कॉलेज कुशीनगर ने विद्यार्थियों के कला कौशल को देखा। जिसमें विद्यार्थियों ने अतिथि महोदय के समक्ष गायन, चित्रकला, कविता के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी। डॉ त्रिपाठी ने विद्यार्थी को बधाई दी कि आप ऐसे विश्वविद्यालय में प्रवेश लिए हैं जिसमें पुरानी संस्कृति, परिपाटी का अनुकरण हो रहा है। साथ ही विद्यार्थियों के साथ गणेश स्तुति का गायन किया। वक्ता ने कहा संगीत भी आयुर्वेद जितना प्राचीन है। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ, सह आचार्य डॉ नवीन, डॉ पीयूष, डॉ प्रज्ञा, डॉ विनर्म शर्मा सहित सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी सम्मिलित हुए।





